Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

BMU IN NEWS
BABA MASTNATH UNIVERSITY

21 July, 2022
Thursday
Page No.1

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

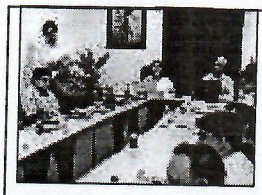

शोध के बिना नूतन ज्ञान में वृद्धि संभव नहीं :डॉ अंजना राव

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में 20 जुलाई से 4 अगस्त तक शिक्षा विभाग द्वारा आइक्यूएसी के तत्त्वावधान में 'रिसर्च मैथडॉलोजी एंड पब्लिकेशंस एथिक्स' विषय पर 14 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की उप कुलाधिपति डॉ. अंजना राव ने शोधार्थियों को संबोधित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि शोध उस प्रक्रिया का नाम है जिसमें संबंधित क्षेत्र में विशेष तथ्यों के आधार पर संकलन कर तार्किक बुद्धि से अवलोकन और विश्लेषण कर नए तथ्यों का संकलन किया जाता है। शोध के बिना ज्ञान और विज्ञान में वृद्धि संभव नहीं है। यदि शोध के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करना है तो हमें शोध की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार ने शोधार्थियों को रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि शोध हमारे ज्ञान के विस्तार में सहायता प्रदान करता है।

रोहतक केसरी

शोध के बिना ज्ञान में वृद्धि सम्भव नहीं : अंजना

रोहतक, 20 जुलाई (दीपक) : शिक्षा विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी के तत्वावधान में रिसर्च मैथडॉलोजी एंड पब्लिकेशंस एथिक्स विषय पर 14 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में 20 जुलाई से 4 अगस्त तक किया जा रहा है।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की उप कुलाधिपति डा. अंजना राव ने शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध उस प्रक्रिया का नाम है जिसमें संबंधित क्षेत्र में विशेष तथ्यों के आधार पर संकलन कर तार्किक बुद्धि से अवलोकन और विश्लेषण कर नए तथ्यों का संकलन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि शोध के बिना ज्ञान और विज्ञान में वृद्धि संभव नहीं है। यदि शोध के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करना है तो हमें शोध की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। शोध अनवरत रूप से चलने वाली प्रक्रिया है जो अपने सिद्धांतों एवं नियमों की कसौटी पर खरा न उतरने की स्थिति में सफल नहीं हो सकती।

रिसर्च मैथडॉलोजी एंड पब्लिकेशंस एथिक्स विषयक रिफ्रेशर कोर्स में सम्बोधित करते उप कुलाधिपति डा. अंजना राव।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार ने शोधार्थियों को रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स के विषय में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. इंद्रजीत सिंह यादव ने अपनेविचार प्रकट किए, कार्यक्रम के द्वितीय चरण में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के डिपार्टमैंट ऑफ मैथमेटिक्स की प्रो. संगीता मलिक ने रिसर्च सैंपलिंग के विषय में जानकारी दी। भूगोल विभागअध्यक्ष प्रो. सुधीर मलिक ने शोध संबंधित साहित्य समीक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में 417 प्राध्यापक एवं शोधार्थी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जुड़े। डिपार्टमैंट ऑफ एजुकेशन की हैड प्रो. अरुणांचल की देखरेख में इस रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया जा रहा है।

इस मौके पर डीन एकेडमिक प्रो. नवीन कुमार, परीक्षा नियंत्रक डा. मुकेश सिंगला, मानविकी संकाय के डीन प्रो. बी.एम. यादव, मैडीकल सुपरिंटैंडैंट डा. ललित कुमार, स्टूडैंट वैल्फेयर डा. रवि राणा, फैकल्टी ऑफ लॉ की डिप्टी डीन डा. ऋतु, फैकल्टी ऑफ साइंस के डिप्टी डीन डा. मनोज वर्मा, डिपार्टमैंट ऑफ फिजियोथैरेपी के डा. राजीव अरोड़ा, हॉस्पिटल मैनेजर डा. नवदीप बिसला एवं सभी स्टाफ सदस्य व शोधार्थी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

शोध के बिना नूतन ज्ञान में वृद्धि संभव नहीं : डॉ. अंजना

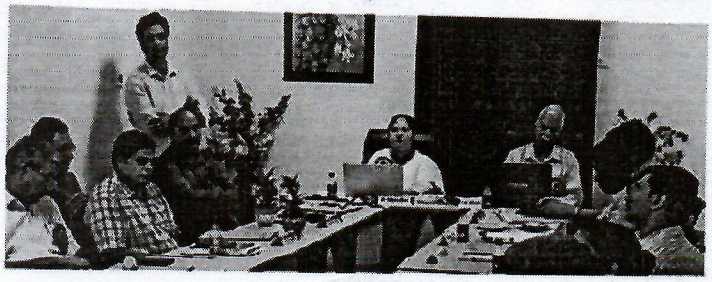

रोहतक | बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में 20 जुलाई से 4 अगस्त तक शिक्षा विभाग द्वारा आइक्यूएसी के तत्वावधान में रिसर्च मैथडॉलोजी एंड पब्लिकेशंस एथिक्स विषय पर 14 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया है। इस मौके पर उप कुलाधिपति डॉ. अंजना राव ने शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध उस प्रक्रिया का नाम है, जिसमें संबंधित क्षेत्र में विशेष कर तार्किक बुद्धि से अवलोकन और विश्लेषण कर नए तथ्यों का संकलन किया जाता है। कुलपति प्रो. रमेश कुमार ने शोधार्थियों को रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स के विषय में जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह यादव ने कहा कि शोध की कसौटी परखने के लिए सॉफ्टवेयर के माध्यम से वह तुरंत पकड़ में आ जाएगा। प्रो. नवीन कुमार, डॉ. मुकेश सिंगला, प्रो. बीएम यादव, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट

उजाला आज तक

शोध के बिना नूतन ज्ञान में वृद्धि संभव नहीं : डॉ अंजना राव

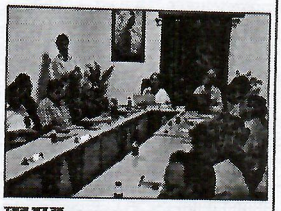

उजाला आज तक
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आज दिनांक 20 जुलाई से 4 अगस्त 2022 तक शिक्षा विभाग द्वारा आइक्यूएसी के तत्वावधान में रिसर्च मैथडॉलोजी एंड पब्लिकेशंस एथिक्स ' विषय पर 14 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया जा रहा है।

इस मौके पर बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की उप कुलाधिपति डॉ. अंजना राव ने शोधार्थियों को संबोधित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि शोध उस प्रक्रिया का नाम है जिसमें संबंधित क्षेत्र में विशेष तथ्यों के आधार पर संकलन कर तार्किक बुद्धि से अवलोकन और विश्लेषण कर नए तथ्यों का संकलन किया जाता है। शोध के बिना ज्ञान और विज्ञान में वृद्धि संभव नहीं है। यदि शोध के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करना है तो हमें शोध की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा।

शोध अनवरत रूप से चलने वाली प्रक्रिया है जो अपने सिद्धांतों एवं नियमों की कसौटी पर खरा न उतरने की स्थिति में सफल नहीं हो सकती।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश कुमार ने शोधार्थियों को रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि शोध हमारे ज्ञान के विस्तार में सहायता प्रदान करता है। मानव समाज की समस्याओं के हल का रास्ता ही शोध है। शोध से ही तार्किक और समीक्षात्मक अनुशीलन की दृष्टि मिलती है। शोध की गुणवत्ता को उत्तम बनाने के लिए इस रिफ्रेशर कोर्स के माध्यम से फिलॉसफी एंड एथिक्स, साइंटिफिक कंडक्ट, पब्लिकेशन एथिक्स, ओपन एक्सेस पब्लिशिंग, पब्लिकेशन मिसकंडक्ट और डाटाबेस एंड रिसर्च मैट्रिक्स के विषय में अवगत कराया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. इंद्रजीत सिंह यादव ने कहा कि शोध की कसौटी परखने के लिए अब से पहले न तो कोई सॉफ्टवेयर था और न ही इतनी ज्यादा छानबीन की जाती थी लेकिन अब कोई शोधार्थी अपने शोध कार्य को नकल की सहायता से पूर्ण करता है तो साहित्य चोरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से वह तुरंत पकड़ में आ जायेगा। अतः इस बात पर शोधार्थियों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स की प्रो. संगीता मलिक ने रिसर्च सेंपलिंग के विषय में जानकारी दी।

भूगोल विभागअध्यक्ष प्रो सुधीर मलिक ने शोध संबंधित साहित्य समीक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में 417 प्राध्यापक एवं शोधार्थी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जुड़े। डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन की हेड प्रो. अरुणांचल की देखरेख में इस रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया जा रहा है।

इस मौके पर डीन एकेडमिक प्रो. नवीन कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश सिंगला, मानविकी संकाय के डीन प्रो. बी.एम. यादव, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. ललित कुमार, स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. रवि राणा, फैकल्टी ऑफ लॉ की डिप्टी डीन डॉ. ऋतु, फैकल्टी ऑफ साइंस के डिप्टी डीन डॉ. मनोज वर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ [illegible]